Statement-II

Month-wise decline in sugar production during the current 1992-93 season over the production achieved during the last 1991-92 season

(Figures in lakh tonnes)

Month	1991-92 (Prov.)	1992-93 (Prov.)	Increase(+) or Decrease(—) in 1992-91 over
October	1.40	0.79	(—)0.61
November	10.73	7.72	(—)3.01
December	20.49	19.74	(—)0.75
January	22.60	22.91	(+)0.31
February	22.25	21.25	(—)1.00
March	22.47	19.89	(—)2.58
April	17.56	10.43	(—)7.13
May	9.67	1.91	(—)7.76
June	3.60	0.18	(—)3.42
July	1.04		
August	0.46		
September	0.50		
	132.77	104.82	

उत्तर प्रदेश में नकल अध्यादेश के अंतर्गत रोके गए परीक्षा परिणाम

@@713. **श्री शांति त्यागी :** क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् की माध्यमिक परीक्षाओं में विगत दो वर्षों के दौरान नकल अध्यादेश के तहत पकड़े गए लगभग सवा हजार विद्यार्थियों के मामले अदालतों में विचाराधीन हैं जिसके कारण उनके परीक्षा परिणाम रूके हुए हैं; और

(ख) यदि हां, तो इन विद्यार्थियों के भविष्य के संबंध में सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में (उपमंत्री कुमारी शैलजा) : (क) और (ख) उत्तर प्रदेश सरकार से सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभापटल पर रख दी जाएगी।

मूंगफली की खरीद में पैसों का घोटाला

714. **श्री गोपालसिंह जी० सोलंकी :**
श्री राम सिंह राठवा :

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए खरीदी गई मूंगफली में

@@मूलतः अतारांकित प्रश्न 327 28 जुलाई, 1993 से स्थानान्तरित।

लगभग डेढ़ करोड़ रुपए की धनराशि का घोटाला किया गया है;

(ख) आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए कुल कितनी मात्रा में मूंगफली खरीदे जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था और इस उद्देश्य के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गयी थी;

(ग) मूंगफली की खरीद के समय बाजार में मूंगफली का सामान्य मूल्य कितना था;

(घ) क्या यह सच है कि उस समय बाजार में प्रचलित मूंगफली के औसत मूल्य और उस खरीद मूल्य में अन्तर है जोकि कागजों में दर्शाया गया है और इस प्रयोजनार्थ मंगाई गई निविदाओं में उल्लिखित राशि क्या थी और कितनी फर्मों द्वारा निविदाएं दी गई;

(ङ) किसी सरकारी एजेन्सी से मूंगफली न खरीदे जाने के क्या कारण हैं; और

(च) मार्च, 1993 से मई, 1993 के दौरान इन केन्द्रों को वितरित की गई मूंगफली की मात्रा और उसकी कीमत क्या थी?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय और महिला और बाल विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती वासव राजेश्वरी) : (क) जी, नहीं।

(ख) दिल्ली प्रशासन ने आंगनवाड़ी केन्द्रों में वितरण हेतु 2 करोड़ रु. मूल्य की भुनी हुई मूंगफली की खरीद के लिए निविदाएं आमंत्रित की। 1992-93 के दौरान दिल्ली प्रशासन में पूरक पोषाहार के लिए कुल वित्तीय आवंटन 8.1 करोड़ रु० था। किन्तु खरीद की जाने वाली मूंगफली की कुल मात्रा का उल्लेख निविदा में नहीं किया गया था।

(ग) छिलके वाली कच्ची मूंगफली सामान्यतया 22 रु० प्रति किलो की दर से उपलब्ध थी।

(घ) मूंगफली का खरीद मूल्य 34 रु० प्रति कि० ग्रा० था। खरीद मूल्य और औसत बाजार भाव के बीच अन्तर पैकिंग और ढुलाई खर्च (175 वितरण बिन्दु) के साथ-साथ करों आदि की अतिरिक्त लागत के कारण था। नौ फर्मों ने अपनी कोटशन्ज भेजी थीं इनमें से छः को प्रयोगशाला में परीक्षणों के लिए भेजा गया। मूंगफली के स्वाद, सुगंध और देखने में कैसी है इन सबके बारे में प्रयोगशाला रिपोर्टों सहित फर्मों द्वारा उल्लिखित दरें निम्नानुसार हैं:

फर्म का नाम	उल्लिखित दर (रु०प्रति कि०ग्रा०)	प्रयोगशाला परीक्षण परिणाम
(i) मैसर्स गुजरात ड्रग एंड कैमिकल	57.00	असंतोषजनक
(ii) पी०एस०पी० फूडस	44.89	-तदैव-
(iii) गौरव ट्रेडर	40.00	-तदैव-
(iv) गर्ग दाल एंड ऑयल मिल्ज	38.00	संतोषजनक
(v) महामाया फूडस	34.00	संतोषजनक
(vi) सिटी पेपर्ज	27.95	असंतोषजनक
(vii) ट्राईबल कोआपरेटिव फेडरेशन	27.00 (करों के बिना)	सशर्त प्रस्ताव के कारण रद्द। विचार नहीं किया गया।
(viii) दिल्ली कन्जयूमर कोआपरेटिव स्टोर	24.66	पेशगी जमा न कराए जाने के कारण रद्द। विचार नहीं किया गया।
(ix) डी०एस०आई०डी०सी०	34.50	पेशगी जमा न कराने के कारण रद्द। विचार नहीं किया गया।

(ङ) सभी सरकारी ऐजेन्सियों की निविदाएं अमान्य पाई गई। दो एजन्सियों ने पेश ी रकम जमा नहीं करवाई जबकि तीसरी ऐजेन्सी ने सशत पेशकश की।

(च) मार्च-मई, 1993 के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों में वितरण हेतु 32.78 लाख रु० मूल्य की कुल 964.13 क्विटल मूंगफली खरीदी गई।

Cut in expenditure of the central Universities

715. SHRI P. UPENDRA:
SHRI GURUDAS DAS GUPTA:
SHRI N E. BALRAM:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state.

(a) whether Government have asked the Central Universities to cut expenditure on salary and allowance and also sanctioned posts by 10 percent next year;

(b) whether the Universities have protested against this directive; and

(c) whether Government are revieWing its directive?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION & DEPTT. OF CULTURE) (KM. SELJA) : (a) Ministry of Finance, Department of Expenditure had inter-alia advised the Financial, Advisers of various Ministries that 10% of the salary budget (Plan and Non-Plan together) may be reduced instead of surrender of 10% posts in the autonomous organisations. However, 10% cut in the salary budget should be applied on the actual expenditure incurred on pay and other allowances in 1991-92 or 1992-93 and not on the projections of 1993-94. The Integrated Finance Division of the Department of Education had informed all the bureaus of the Department to bring these instructions to the notice of all autonomous organisations for implementation.

These instructions accordingly were communicated amongst others to the University Grants Commission as the Government does not directly interact with universities in such matters. However, a copy of the Integrated Finance Division's letter was also sent to the Registrars of ten Central Universities by the Assistant Educational Adviser.

(b) and (c) The Hyderabad University , Delhi-University, AMU and IGNOU through separate letters expressed difficulties in compliance of these instructions. The Government however, have through a communication dated July 22, 1993 clarified that the 10% cut will not be applicable to teaching and research posts in academic institutions. It would also not be applicable to plan posts during the current plan. This communication has been sent to the UGC.

Condition of Patel Chest Institute Under Delhi University

716. SHRI PASUMPON THA KIRUTTINAN:
SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item captioned 'State of Campuses which appeared in the Hindustan Times of the 22nd May, 1993, to the effect that Patel Chest Institute under Delhi University is in a deplorable state and its laboratories are empty and a large number of other costly equipments are lying unused for years;

(b) if so, what are the reasons therefor; and